पत्रिका

आइआइएम की नई पहल-जॉइंट एडमिशन प्रॉसेस 2026

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) काशीपुर, रायपुर, रांची और तिरुचिरापल्ली ने शैक्षणिक वर्ष 2026 के लिए एमबीए प्रवेश के लिए ज्वॉइंट एडमिशन प्रॉसेस (जेएपी) शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत इन चारों आइआइएम में दाखिले के लिए उम्मीदवारों को एक ही प्लेटफॉर्म से आवेदन करने की सुविधा मिलेगी। इस पहल का मकसद प्रवेश प्रक्रिया को आसान, पारदर्शी और छात्रों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

आइआइएम रायपुर की भूमिका

आइआइएम रायपुर को जेएपी 2026 का समन्वयक (को-ऑर्डिनेटर) नियुक्त किया गया है। यह संस्थान चारों आइआइएम (काशीपुर, रायपुर, रांची और तिरुचिरापल्ली) की प्रवेश प्रक्रिया को संभालेगा। इसका मतलब है कि आवेदन, चयन प्रक्रिया और अन्य सभी प्रक्रियाएं एक ही जगह से नियंत्रित होंगी, जिससे उम्मीदवारों को अलग-अलग संस्थानों में बार-बार आवेदन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह कदम समय और संसाधनों की बचत करेगा।

कैट की अनिवार्यता

जेएपी के शुरू होने के बाद भी कैट परीक्षा अभी भी इन चारों आइआइएम में दाखिले के लिए अनिवार्य है। उम्मीदवारों को कैट 2025 देना होगा और उनके स्कोर के आधार पर ही जेएपी के तहत आवेदन और चयन प्रक्रिया होगी। बाकी सभी आइआइएम की प्रवेश प्रक्रिया पहले की तरह ही अलग-अलग चलेगी।

कैसे करें आवेदन?

जेएपी 2026 के तहत आवेदन प्रक्रिया कैट 2025 के परिणाम घोषित होने के बाद शुरू होगी। कैट 2025 का आयोजन 30 नवंबर को होगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक वेबसाइट iimcat.ac.in पर अपडेट्स देखें और समय पर पंजीकरण करें।

जेएपी क्या है और यह कैसे काम करेगा?

ज्वॉइंट एडमिशन प्रॉसेस एक ऐसा साझा मंच है, जिसके जरिए उम्मीदवार इन चारों आइआइएम में एमबीए के लिए एक ही आवेदन के माध्यम से अप्लाई कर सकेंगे। यह प्रक्रिया कैट 2025 के परिणाम घोषित होने के बाद शुरू होगी। कैट के स्कोर के आधार पर ही उम्मीदवारों का चयन होगा। जेएपी के तहत एक एकीकृत चयन प्रक्रिया होगी, जिसके जरिए योग्य उम्मीदवारों को इन चारों में से किसी भी आइआइएम में दाखिला मिल सकता है।

15/09/2025 | Jaipur City | Page : 13
Source : https://epaper.patrika.com/